मुर्ग़े को गाली मत दो, क्योंकि वह नमाज़ के लिए जगाता है

ज़ैद बिन ख़ालिद जुहनी (रज़ियल्लाहु अनहु) से मरफ़ूअन वर्णित है: मुर्ग़े को गाली मत दो, क्योंकि वह नमाज़ के लिए जगाता है। [सह़ीह़] [इसे नसाई ने रिवायत किया है। - इसे अबू दाऊद ने रिवायत किया है। - इसे अह़मद ने रिवायत किया
है।]

http://sunnah.global/hadeeth/hi/show/8960